

दूर बैठा हो मरीज, फिर भी जांच सकेंगे फेफड़े

आईआईटी ने बनाया ईरेस्पिरोकेयर,
एआई की मदद से करेगा काम

भास्कर संवाददाता | इंदौर

गांवों या दूरदराज क्षेत्रों में स्टेथोस्कोप जैसे छोटे से उपकरण की कमी के कारण अस्थमा, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीस (सीओपीडी), न्यूमोथोरेक्स, निमोनिया और टीबी जैसी बीमारियां भी जानलेवा बन जाती हैं, क्योंकि इन बीमारियों के शुरुआती लक्षण पकड़ में नहीं आ पाते। आईआईटी इंदौर की रिसर्च टीम ने एक परीक्षण यंत्र विकसित किया है, जिसे ईरेस्पिरोकेयर नाम दिया है। इसे स्टेथोस्कोप का आधुनिक रूप कहा जा सकता है। इसमें उपयोग की गई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (आईटी) की वजह से ये मरीज के फेफड़ों और श्वसन तंत्र की समस्याओं से डॉक्टर को दूर बैठे ही अवगत करवा सकता है। इसकी मदद से ना सिर्फ फेफड़ों और श्वसन तंत्र का परीक्षण किया जा सकता है बल्कि उससे प्राप्त डाटा स्टोर भी किया जा सकता। गांवों में इसका उपयोग स्थानीय डॉक्टर या आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से किया जा सकेगा। वे इस यंत्र के जरिये मरीज का परीक्षण कर विशेषज्ञ डॉक्टर को स्थिति से अवगत करवा सकेंगे।